वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता दिवस, 2022

दिनांक
31.10.2022

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश के आलोक में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 31.10.2022 को भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस के रुप में उनके योगदान के प्रति निष्ठा व्यक्त करने तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष में राष्ट्रीय एकता दिवस, 2022 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के अखंड भारत में निर्माण एवं अन्य योगदानों पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सहित समूह समन्वयक (अनुसंधान), प्रभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, उप-वन संरक्षक, तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने सरदार जी द्वारा देश की अखंडता के लिये गये अथक प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात 562 स्वायत्त देसी रियासतो भारतीय गणराज्य में विलय करने का कार्य इनके जैसा एक दृढ़ तथा दूरदर्शी व्यक्ति हीं कर सकता है। उन्होने बताया कि सभी राज्यों को मिलाकर भारत को एक स्वतंत्र एवं अखंड संघ बनाने में सबसे बड़ा योगदान सरदार वल्लभ भाई पटेल का ही रहा है। उप-वन संरक्षक श्रीमती अंजना सूचिता तिर्की ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर विस्तार से जानकारी दी तथा स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के एकीकरण तथा मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार करने में उनकी महती भूमिका के लिए उन्हें नमन किया। उन्होंने विस्तार से बताया कि प्रति वर्ष 31 अक्टूबर को उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया जाता है तथा 2014 में इसकी शुरुआत वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की गई। उन्होने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत के वह नेता हैं जिन्होंने भारत की आजादी के साथ-साथ इसे एक मजबूत संघ बनाने में सबसे बड़ा योगदान दिया है। भारत को आजाद हुए आज 75 वर्ष से भी अधिक हो चुके हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत को एक एकीकृत देश बनाकर दुनिया के सामने एक ऐसे देश का मिसाल पेश करना चाहते थे, जहां सभी धर्म, जाति, भाषाओं के बोलने वाले लोगों को बराबर का अधिकार दिया जाए। उन्होने कहा कि उनके अथक प्रयासों के कारण ही आज हम दुनिया के नक्शे पर अखंड भारत की वर्तमान स्थिति देख पा रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची